Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा – 9

हिन्दी

क्षितिज (काव्य खंड)

अध्याय – 9 : सवैये (रसखान)

भाग – 1

कवि परिचय, सवैये

कुशाल सोलंकी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. कवि परिचय
2. सवैये

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



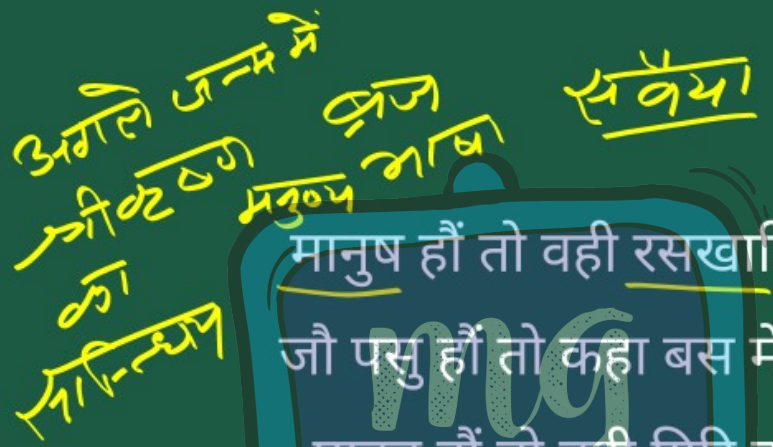
जन्म : सन् 1548

जन्म स्थान : दिल्ली

निधन : सन् 1628

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



(1) समर्पण

मानुष हौं तो वही रसखानि बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन।
जौ पसु हौं तो कहा बस मेरो चरौं नित नंद की धेनु मँझारन ।।
पाहन हौं तो वही गिरि को जो कियो हरिछत्र पुरंदर धारन।
जौ खग हौं तो बसेरो करौं मिलि कालिंदी कूल कदंब की डारन।।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



मानुष हौं तो वही रसखानि बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन।
जौ पसु हौं तो कहा बस मेरो चरौं नित नंद की धेनु मँझारन।।

बसौं – बसना, रहना
कहा बस – वश में न होना
मँझारन – बीच में

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



पाहन हौं तो वही गिरि को जो कियो हरिछत्र पुरंदर धारन।

जौ खग हौं तो बसेरो करौं मिलि कालिंदी कूल कदंब की डारन।।

गिरि – पत्थर	गिरि – पहाड़
पुरंदर – इंद्र	कालिंदी – यमुना

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(2)

या लकुटी अरु कामरिया पर राज तिहूँ पुर को तजि डारौं।
आठहुँ सिद्धि नवौ निधि के सुख नंद की गाइ चराइ बिसारौं।।
रसखान कबौं इन आँखिन सौं, ब्रज के बन बाग तड़ाग निहारौं।
कोटिक ए कलधौत के धाम करील के कुंजन ऊपर वारौं।।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



श्रीकृष्ण से जुड़ी वस्तु के मिलने उस पर सर्वस्व न्योछावर

या लकुटी अरु कामरिया पर राज तिहूँ पुर को तजि डारौं।

आठहुँ सिद्धि नवौ निधि के सुख नंद की गाइ चराइ बिसारौं।।

त्याग। आलस

गाय चराकर।

भुलादेना

लकुटी – लाठी

कामरिया – कंबल

पुर – नगर / लोक

आठहुँ सिद्धि – आठों सिद्धियाँ

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



रसखान कबौं इन आँखिन सौं, ब्रज के बन बाग तड़ाग निहारौं।

कोटिक ए कलधौत के धाम करील के कुंजन ऊपर वारौं।।

तड़ाग – तालाब

कलधौत के धाम – सोने- चाँदी के महल

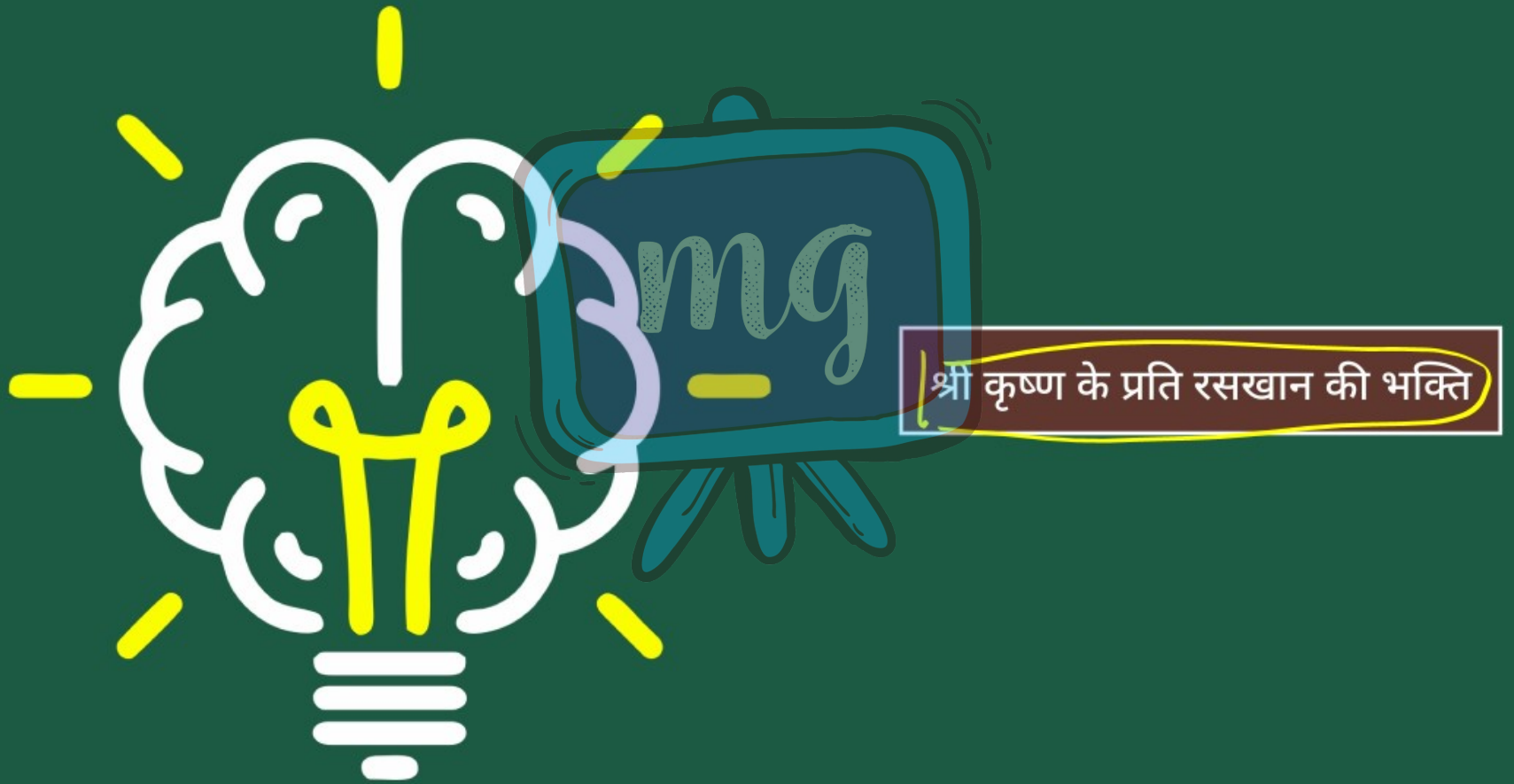
करील – काँटेदार झाड़ी

वारौं – न्योछावर करना

Under CSR Support by
ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1 कवि अगले जन्म में कैसा मनुष्य बनना चाहता है?

अ जो रसखान हो

ब जो रस का भंडार हो

स जो ब्रज में जन्मे

द जो ब्रज के गोकुल गाँव में निवास करे

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



2 कवि पशु-योनि में किस रूप में रहना चाहता है?

अ नंद के चरागाह में बछड़ा बनकर

ब नंद का प्रिय पशु बनकर

स नंद की गऊ बनकर

द नंद की भैसों में गाय बनकर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



3 कवि पत्थर क्यों बनना चाहता है?

अ शांति के लिए

ब स्थिरता के लिए

स कृष्ण की समीपता पाने के लिए

द दृढ़ता के लिए

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



4 रसखान किसकी लाठी और कंबल पर ममता रखते हैं?

अ राम की

ब कृष्ण की

स शिव की

द माता की

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



5 रसखान नंद की गायों को क्यों चराना चाहते हैं?

अ दूध के लिए

ब पशु-प्रेम के कारण

स कृष्ण का साथ पाने के लिए

द गऊ-प्रेम के कारण